प्रेस विज्ञप्ति

सोशल मीडिया से बाहर रोजमर्रा की आदतों में सुधार लाते हुये समन्वित योजना से स्मार्ट होगा आगरा शहर

एकेटीयू द्वारा प्रायोजित हिन्दुस्तान कॉलेज में 'इनवायरमेंटल मेंनेजमेंट एण्ड स्मार्ट सिटीज' की शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 20 तकनीकी संस्थानों के शिक्षक कर रहे प्रतिभाग

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलोजी में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रावधिक विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा प्रायोजित सिविल एण्ड पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग में 'इनवायरमेंटल मेंनेजमेंट एण्ड स्मार्ट सिटीज', पर 5 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 09 जून, 2018 से 13 जून, 2018 के दौरान किया जा रहा है जिसका विधिवत उद्घाटन आज दिनांक 09 जून, 2018 प्रातः 11 बजे हुआ। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के लगभग 20 इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पंजाब, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के कुछ विश्वविद्यालयों के सिविल एवं ऑर्केटेक्चर के लगभग 35 से अधिक तकनीकी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने अपना पंजीकरण कराया है। इस कार्यशाला के उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि सी.ई.एम.जी. इंजीनियर्स एण्ड कन्सटेंस प्राइवेट लिमटेड के निदेशक इं. अजीत फौजदार तथा विशिष्ट अतिथि सी.आर.आर.आई. दिल्ली से पधारे स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन के विशेषज्ञ डॉ. रविन्द्र कुमार रहे।

कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य एवं विशिष्ट विभूतियों द्वारा माँ शारदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

सर्वप्रथम सिविल एण्ड पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग के विभागध्यक्ष एवं कार्यशाला के समन्वयक डॉ. वी. के. गुप्ता ने 'इनवायरमेंटल मेंनेजमेंट एण्ड स्मार्ट सिटीज' की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की तथा इस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला में रिसोर्स स्पीकर जो विभिन्न आई.आई.टी.,अलीगढ़

मुस्लिम विश्वविद्यालय एवं बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय से आगामी सत्रों में अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे उनके कार्यक्रम अनुसूची की चर्चा की तथा विषय विशेषज्ञों की विषय वस्तुओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला की धारणा, उद्देश्य एवं इसके विभिन्न घटकों पर सूक्ष्म प्रकाश डालते हुये वाटर ट्रीटमेंट, वेस्ड वाटर ट्रीटमेंट एवं स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन की आवश्यकता पर जोर दिया।

संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव कुमार उपाध्याय ने संस्थान के संक्षिप्त इतिहास पर प्रकाश डाला तथा कार्यशाला में आये हुये सभी मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये उनके आने का आभार व्यक्त किया साथ ही एकेटीयू के कुलपति श्री डॉ. विनय कुमार पाठक का धन्यवाद दिया। इस कार्यशाला की सफलता का संज्ञान लेते हुये श्री उपाध्याय ने सभी प्रतिभागियों से यह उम्मीद जताई कि वह इस कार्यशाला के बाद इस क्षेत्र में पारंगत होकर अपने संस्थानों में अपने शिष्यों को पारंगत कर देश की सेवा एवं विकास में सक्षम होंगे।

संस्थान के अधिशासी निदेशक प्रो. वी.के.शर्मा ने एक बार पुनः शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में पधारे प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये कार्यशाला के उद्देश्य एवं इसकी आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि जो कुछ हो चुका है उसमें थोड़े से सुधार एवं नया करने में नये सिरे से योजनायें बनाने की आवश्यकता है और विशेष रूप से हमें स्वयं को स्मार्ट बनाने की आवश्यकता है। जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए हमें अपनी मानसिकता को सुधारना जरूरी है।

उदघाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि सी.आर.आर.आई. दिल्ली से पधारे स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन के विशेषज्ञ डॉ. रविन्द्र कुमार ने प्रतिभागियों को विगत 5 जून, 2018 को विश्व पर्यावरण दिवस की विषयवस्तु प्लास्टिक प्रदूषण से निजात पर अपना व्याख्यान केन्द्रित रखा और कहा कि यह प्लास्टिक समुद्री जीव–जंतुओं के लिए विशेषकर हानिकारक है और हमारे

पर्यावरण संतुलन को हानि पहुंचाती है अतः इसका पुर्नउपयोग अथवा इसका उपयोग ना के बराबर करने की आवश्यकता है। निकट भविष्य में आगरा के स्मार्ट ट्रांसपोर्टेशन की योजना पर सूक्ष्म प्रकाश डाला।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि सी.ई.एम.जी. इंजीनियर्स एण्ड कन्सटेंस प्राइवेट लिमटेड के निदेशक इं. अजीत फौजदार ने अपने मुख्य अतिथिय वक्तव्य में कहा कि हम अपने जीवन मूल्यों के प्रति निष्ठावान नहीं है जो कि हमें सर्वप्रथम स्मार्ट बनाती है। यदि हम नियम कानून का प्रतिबद्धता से पालन करें तो तो निश्चित ही स्वयं को स्मार्ट बनाकर अपने शहर ही नहीं बल्कि राष्ट्र को भी स्मार्ट बना सकते हैं। खासतौर से आगरा वासियों के लिए स्मार्ट होने हेतु जीरो डिसचार्ज घर, जीरो डिसचार्ज कैम्पस के साथ जल संरक्षण इसके पुर्नउपयोग पर कार्य करना जरूरी हो गया है। यदि जल संरक्षण न किया गया तो भविष्य में आगरा वासी जल के लिए तरसते रह जायेंगे।

कार्यशाला का सफल संचालन सिविल एवं पर्यावरण विभाग की सहायक आचार्या सुश्री निशु वर्मा ने किया।

कार्यशाला के अंत में धन्यवाद ज्ञापन पर्यावरण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सी. एन. त्रिपाठी ने किया।